

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी अरविन्द कुमार जाखड़ आर ए एस
राजस्व अपील / 223 / रा.का.अधि. / 30 / 2021 / बाड़मेर

अपीलांट

रेस्पोंडेंटगण

वालाराम पुत्र स्व. खेराजराम बनाम 1.रतनाराम पुत्र स्व. खेराजराम वगै.
अपीलांट का प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम वास्ते
निर्णय

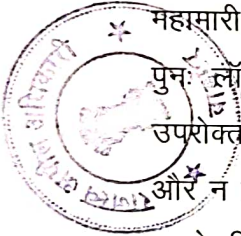
उपस्थिति

1. वकील श्री कपिल चौधरी अपीलान्ट की ओर से।
2. वकील श्री सुनिल के मेराजा रेस्पोंडेंट की ओर से।

निर्णय

दिनांक:- 25.11.2021

अधिवक्ता अपीलांट द्वारा प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम पर बहस करते हुए उसमें अंकित बिंदुओं को दोहराते हुए बताया कि उपरोक्त एकतरफा निर्णय व डिक्री दिनांक 27.11.2019 पारित होने का अपीलांट को इतने दिनों तक ज्ञान नहीं हुआ और दिनांक 27.11.2019 के पश्चात दिनांक 22.03.2020 को कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन लग जाने के कारण उसके पश्चात समय समय पर पुनः लॉकडाउन लगने के कारण और दिनांक 07.06.2021 तक लॉकडाउन रहा। उपरोक्त परिस्थितियों में न्यायालय में लगातार नियमित रूप से कार्यवाही नहीं चली और न ही अपीलांट का अपने अधिवक्ता से लगातार सम्पर्क ही हुआ बल्कि अपीलांट अपने हिस्से की भूमि में आज से करीबन 05 रोज पूर्व ओरा बना रहा था तब उतरदाता संख्या 01 व उसके पुत्र हेमाराम आर्य और अपीलांट को कहा की जिस भूमि पर आप ओरा बना रहे हो वह भूमि हमारे बंट में आई हुई है और हमारे पक्ष में निर्णय हो गया है तब अपीलांट अपने अधिवक्ता से पूछा तो उन्होंने निर्णय होने के बारे में नहीं बताया तब अपीलांट को संदेह हुआ तो अपीलांट ने पटवारी हल्का से पूछा तो पटवारी हल्का से निर्णय होने का कहा तब अपीलांट ने दिनांक 10.06.2021 को पत्रावली की नकल मांगी जो उसी दिन नकल प्राप्त हो गई तथा वास्तविक ज्ञान की तारीख से यह अपील अन्दर मियाद पेश की जा रही है। अपील पेश करने में हुआ विलंब सद्भाविक है। अपील अन्दर मियाद शुमार करने के आदेश प्रदान करावे। अपीलांट के अधिवक्ता ने अपने कथन के समर्थन में निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत पेश किये:-



DNJ 2021(2)(Raj.) Page 534

राजस्व अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

DNJ 2019(1)(Raj.) Page 402

RRD 2020 Page 249

RRT 2002(1) H.C. Page 642

RRT 2002(2) Page 1406

RRT 2009-10(SUPP.) Page 603


अधिवक्ता रैस्पॉण्डेंट ने प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम का जवाब पेश करते हुए उसमें अंकित तथ्यों को दोहराते हुए बहस में बताया कि अपीलकर्ता ने अपीलाधीन निर्णय व डिक्री के विरुद्ध दिनांक 14.06.2021 को यानि तकरीबन 01 वर्ष 06 माह के बाद वेबुनियाम आधारा पर यह अपील पेश की है। अपीलांत के अधिवक्ता दिनांक 30.10.2019 को न्यायालय में उपस्थित थे लेकिन आगामी तारीख पेशी दिनांक 07.11.2019 की उनको जानकारी होते हुए भी बिना कोई वजह अनुपरिथत आये। अपीलकर्ता को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय व डिक्री का ज्ञान किस प्रकार, किसके माध्यम से हुआ इसका कोई उल्लेख अपने प्रार्थना-पत्र में नहीं किया गया है। अपीलकर्ता ने असाधारण विलम्ब का कोई न्यायोचित कारण अंकित नहीं किया गया है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय एवं माननीय राजस्व मण्डल के कई न्यायिक दृष्टांतों में यह अवधारित किया जा चुका है कि असाधारण विलम्ब का यदि कोई समुचित कारण अंकित नहीं किया जाता है तो म्याद के विन्दु पर ही प्रकरण का निस्तारण सर्वप्रथम किया जाना न्यायोचित है। अपीलांत की अपील मियाद बाहर है अपील पेश करने में हुई देरी का संतोषप्रद कारण नहीं बताया है। अपीलांत द्वारा प्रस्तुत अंतर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम का प्रार्थना-पत्र खारिज फरमाया जाकर अपील इसी स्टेज पर खारिज फरमाई जावे।

उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं की धारा 05 लिमिटेशन प्रार्थना-पत्र पर बहस सुनने के पश्चात न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्राथमिक डिक्री दिनांक 13.06.2018 अपीलांत अधिवक्ता की उपस्थिति में पारित की गई। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित अपीलाधीन अंतिम डिक्री दिनांक 27.11.2019 पारित की गई उससे पूर्व अपीलांत के अधिवक्ता प्रति पेशी उपस्थित आये। अपीलांत के अधिवक्ता दिनांक 30.10.2019 को न्यायालय में उपस्थित थे जिनको आगामी तारीख पेशी दिनांक 07.11.2019 की जानकारी थी उसके बावजूद जानबूझकर अपीलांत अधिवक्ता न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं आये। अपीलांत द्वारा प्रस्तुत अपील अकारण विलम्ब से पेश की गई है हस्तगत अपील को सुदीर्घ अवधि तकरीबन 01 वर्ष 06 माह बाद पेश किया गया है जिसका कोई विधि सम्मत



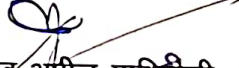
राजस्व अपील प्राधिकारी
बाइमेर

कारण नहीं बताया गया। अपील पेश करने में हुई देरी के एक-एक दिन का हिसाब न्यायालय के समक्ष पेश करना चाहिए था जो नहीं किया गया है। अपीलांटगण के अधिवक्ता द्वारा पेश न्यायिक दृष्टांत हस्तगत प्रकरण पर चर्चा नहीं होते हैं। अतः अपील को मियाद बाहर करने के आदेश दिये जाते हैं। अपीलांट की अपीलों को इसी स्टेज पर खारीज किया जाता है।


(अरविन्द कुमार खड्ड)
राजस्व अपील प्राधिकारी
राजस्व अपील प्राधिकारी
वाडमेर

यह आदेश आज दिनांक 25.11.2021 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




राजस्व अपील प्राधिकारी
राजस्व अपील प्राधिकारी
वाडमेर